L 213 – L – 2

Second Year B.A. Examination, May/June 2009
(Group – I) (Revised SIM Scheme)
LANGUAGE HINDI (Paper – II)
DT and ND Texts
Texts : पंचवटी, चंद्रगुप्त, निर्मला, व्याकरण और अनुवाद

Date : 28-5-2009
Time : 2.00 p.m. to 5.00 p.m. Max. Marks : 90

SECTION – A

I. 'पंचवटी' खण्ड काव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र चित्रण कीजिए। **15**

अथवा

'पंचवटी' खण्डकाव्य का सारांश लिखिए।

II. 'चंद्रगुप्त' नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **15**

अथवा

'चंद्रगुप्त' नाटक के आधार पर चाणक्य का चरित्र चित्रण कीजिए।

III. 'निर्मला' उपन्यास में चित्रित नारी समास्याओं पर प्रकाश डालिए। **12**

अथवा

टिप्पणियाँ लिखिए :

1) तोताराम

2) कल्याणी।

SECTION – B

IV. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(6+6=12)**

अ) होता यदि राजत्व मात्र ही
लक्ष्य हमारे जीवन का,
तो क्यों अपने पूर्वज उसको
छोड़ मार्ग लेते वन का ?

अथवा

P.T.O.

सुंदरि, मैं सचमुच विस्मित हूँ
तुमको सहसा देख यहाँ,
ढलती रात, अकेली अबला,
निकल पड़ी तुम कौन, कहाँ ?

आ) नर–कृत शास्त्रों के सब बन्धन
हैं नारी को ही लेकर,
अपने लिए सभी सुविधाएँ
पहले ही कर बैठे नर!

अथवा

घर में ब्याही बहू छोड़कर
यहाँ भाग आये हैं ये,
इस वय में क्या कहूँ, कहाँ का
यह विराग लाये हैं ये!

V. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(5+5=10)**

1) इस भूमि के एक–एक परमाणु मेरे हैं और मेरे शरीर के एक–एक क्षुद्र अंश उन्हीं परमाणुओं के बने हैं।
2) नहीं, मैं सिन्धु की रहनेवाली हूँ, आर्य! वहाँ युद्ध विग्रह नहीं, न्यायालयों की आवश्यकता नहीं।
3) मनुष्य अपनी दुर्बलता से भली–भाँति परिचित रहता है। परंतु उसे अपने बल से भी अवगत होना चाहिए।

SECTION – C

VI. 1) क्रिया विशेषण की परिभाषा लिखकर उसके भेदों को उदाहरण सहित समझाइए। **4**

2) संबंध बोधक अव्यय की परिभाषा लिखकर उसके भेदों को सोदाहरण लिखिए। **4**

3) वाच्य किसे कहते हैं ? कितने भेद हैं ? उदाहरण के साथ समझाइए। **4**

4) पद परिचय दिजिए : **4**

मोहन कल गाँव जायेगा :

VII. **हिन्दी** में अनुवाद कीजिए : **10**

ನ್ಯೂಟನ್ನನದು ಬಹಳ ಕಾರ್ಯನಿರತ ಜೀವನವಾಗಿತ್ತು. ಒಮ್ಮೆ ಆತನ ಸ್ನೇಹಿತನು ಆತನನ್ನು ಕಾಣಲು ಬಂದನು. ನ್ಯೂಟನ್ನನು ಬಹಳ ಮಹತ್ವದ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿದ್ದುದು ತಿಳಿದು ಮೇಜಿನ ಮೇಲೆಯೇ ಆತನ ಊಟವು ಸಿದ್ಧವಾಗಿದ್ದುದರಿಂದ ಆತನು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಬರುವವರೆಗೂ ಕಾಯಲು ನಿರ್ಧರಿಸಿದನು. ಬಹಳ ಹೊತ್ತು ಕಾಯ್ದು ಅವನಿಗೆ ಹಸಿವೆಯಾಗಲಾರಂಭಿಸಿತು. ಆದ್ದರಿಂದ ಕುಳಿತು ನ್ಯೂಟನ್ನಿನ ಆಹಾರವನ್ನು ಸೇವಿಸಿದನು. ಕೊನೆಗೂ ಆ ಮಹಾಪುರುಷನು ಕಾಣಿಸಿಕೊಂಡಾಗ, ತನ್ನ ಸ್ನೇಹಿತನಿಗೆ ವಂದಿಸಿ ಊಟಕ್ಕೆ ಕುಳಿತನು.

Newton had a very busy life. A friend once called on him and learning that Newton was busy, resolve to wait till he appeared for dinner, which was already on the table. After waiting for a considerable time, he began to feel hungry. So he sat down and ate Newton's dinner. When at last the great man appeared, he greeted his friend and sat down to have dinner.

———————